JANUARY
05
Saturday

Course – 03
Unit – [V]

Wk 01 • 005-360

JAN - 2019

M	T	W	T	F	S	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

8 विशिष्ट बालकों के प्रकार [Types of Special Children]

9 (Physically children) शारीरिक बालक

* शारीरिक रुप से विकलांग – Physically Handicapped
* दृष्टि दोष से ग्रसित बालक – Children With Visual Defect
* श्रवण त्रुटि से ग्रसित बालक – children With Hearing Defect
* भाषा दोष से ग्रसित बालक children with speech Defect.

12 मानसिक बालक

* प्रतिभाशाली बालक Gifted Children
* 13 सृजनात्मक बालक Creative chiddren
* मानसिक रुप से मन्द बालक Mentally Retarded children
* 14 अधिगम रोग से ग्रस्त बालक Learning Disorderd

15 अन्य बालक

पिछड़े बालक Backward children
16 समस्या बालक – Problem children
अपराधी बालक · Juvenile delinquent
17 अलाभान्वित बालक Disadvantaged children
कुसमायोजित बालक · Maladjustment chiddren

18 वैसे बालक जो सामान्य से मानसिक गुणों मे ज्ञानात्मक क्षमताओं शारीरिक गुणों, सामाजिक व्यवहार, संचार क्षमताओं या बहु-दिव्यांगता मे विचलित हो विशिष्ट बालक कहलाते है।

RCI Act · 2016 – 16 दिसम्बर 2016 को भारतीय पुनर्वास परिषद Rehabilitation Council of India ने 21 प्रकार की दिव्यांगता को सूचीबद्ध किया – (जो आपलोगो को बताया गया है)

2019

Gifted children प्रतिभाशाली बालक

समाज में बहुत प्रकार के बालक पाये जाते हैं, जो किसी न किसी रूप में कुछ भिन्नता रखते हैं। वे बालक जो सामान्य बालक से भिन्न होते हैं, उन्हें अलग वर्ग में रखा जाता है। प्रतिभाशाली बालक भी इसी श्रेणी में आते हैं, प्रतिभाशाली बालक में सामान्य बालक से अलग कुछ उच्च योग्यताएं होती है।

प्रायः उच्च बुद्धिलब्धि वाले बालकों को प्रतिभाशाली बालक माना जाता है, प्रतिभाशाली बालक वैसे बालक को कहा जाता है जिनकी बुद्धिलब्धि 130 या इससे उपर होती है एवं किसी क्षेत्र विशेष में उच्च योग्यता रखते हैं जैसे कला, साहित्य, नृत्य संगीत, यांत्रिकी आदि, ये बालक सामान्य बालक से इतने पृथक होते हैं कि इनके लिए विशेष प्रकार की शिक्षा, प्रशिक्षण और समायोजन की आवश्यकता पड़ती है।

टर्मन - "प्रतिभाशाली बालक शारीरिक विकास, शैक्षिक उपलब्धि बुद्धि एवं व्यक्तित्व में वरिष्ठ होते हैं।"

टॉरेंस "वैसे बालक को प्रतिभाशाली बालक कहा जाता है जो मानव व्यवहार के किसी क्षेत्र में उत्तम निष्पादन करता है एवं समाज के लिए महत्वपूर्ण होता है"

विशेषताएं ⇒ प्रतिभाशाली बालक -

1. किसी भी विषय को बहुत तेजी से सीखते हैं।
2. दिये गये कार्य को काफी लगन से करते हैं।
3. दूसरे के भाव एवं अधिकार के प्रति संवेदनशील होते हैं।
4. किसी कार्य को काफी ईमानदारी से करते हैं।
5. वैसे बालकों को विषय का गहन ज्ञान होता है।
6. ये बालक लोकप्रिय एवं सामाजिक रूप से ग्राह्य होते हैं
7. किसी कार्य को तिव्र गति से करते हैं।
8. वैसे बालक औसत बालकों की तुलना में व्यक्तिगत समस्या-समाधान करने में सक्षम होते हैं
9. ये बालक विचारों एवं भावों की अभिव्यक्ति अच्छे से करते हैं।

प्रतिभाशाली बालको की पहचान –

प्रतिभाशाली बालकों की पहचान करने के लिए अध्यापक को विभिन्न प्रविधियों का प्रयोग करना चाहिए जो निम्न है –

बुद्धि परीक्षण –

बुद्धि परीक्षण व्यक्तिगत और सामुहिक दो प्रकार के होते है बुद्धि परीक्षणों का वर्गीकरण भाषा के प्रयोग के आधार पर किया जाता है अर्थात शाब्दिक एवं अशाब्दिक परीक्षण। शाब्दिक परीक्षणों में कागज एवं पेन का प्रयोग होता है तथा अशाब्दिक परीक्षणों में कोई क्रिया करवायी जाती है।

उपलब्धि परीक्षण द्वारा –

इस प्रकार के परीक्षण से विद्यार्थियों की उपलब्धि का ज्ञान भली-भाँती हो जाता है उच्च स्तर की उपलब्धि, बालकों के प्रतिभावान होने की आशा जाग्रत करती है।

अभिरुचि परीक्षण द्वारा –

अभिरुचि से बालकों के भविष्य की सफलता के बारें में अनुमान लगाया जा सकता है क्योंकि अभिरुचि कुशलता एव विशेष योग्यता से सम्बन्धित होती है। शिक्षण प्रशिक्षण के लिए लिया जाने वाला परीक्षण अभिरुचि परीक्षण (Aptitude Test) कहलाता है

माता-पिता द्वारा –

बच्चे के लिए परीवार प्राथमिक पाठशाला होता है जहां पर बालक अपना सर्वाधिक समय बिताते है। परीवार एवं माता-पिता की देख रेख अपने बच्चों पर सर्वाधिक होती है जिसके कारण बालक मे छिपी प्रतिभा को खोज सकते है।

साथियों द्वारा –

विद्यार्थी साथी समूह के साथ खेलते, पढ़ते है इसलिए जो बालक सर्वाधिक प्रतिभावान होते है, उनके साथ बालक ज्यादा रहना पसन्द करते है इसलिए साथियों द्वारा भी पहचान होती है।

प्रतिभाशाली बालकों की शिक्षा एवं उनका समायोजन –

प्रतिभाशाली बालक शिक्षा एवं समायोजन की दृष्टि से शिक्षकों के लिए सबसे अधिक चुनौती वाले बालक होते हैं। वैसे बालकों में श्रेष्ठता सामान्य बालकों की अपेक्षा अधिक होती है अतः, कक्षा की पढ़ाई के प्रति इनका ध्यान उतना नहीं जाता है। वे कक्षा के पाठ्यक्रम को अत्यधिक आसान समझकर उसमें विशेष रुचि लेना छोड़ देते हैं –

विशिष्ट कक्षा –

प्रतिभाशाली बालकों की शिक्षा के लिए अलग से विशेष कक्षा का प्रबंध करना चाहिए। विशिष्ट कक्षा में सिर्फ प्रतिभाशाली बालक ही होते हैं अतः शिक्षकों को एक समान ढंग से पढ़ाई जारी रखने में काफी सुविधा होती है और बालक एक दूसरे से स्वतः समायोजित भी रहते हैं, उनमें प्रतियोगिता का उचित भाव भी बना रहता है इस तरह की कक्षा में न तो किसी छात्र में हीनता का भाव आता है न श्रेष्ठता का।

विशेष पाठ्यक्रम –

मनोवैज्ञानिको का मानना है कि शिक्षक को चाहिए की वह एक विशेष प्रकार का पाठ्यक्रम तैयार करें जो सामान्य पाठ्यक्रम की तुलना में थोड़ा कठिन एवं जटिल हो। जिसमें अमूर्तता का गुण अधिक हो जिससे वैसे बालक पाठ्यक्रम को अधिक लाभकारी एवं अपनी प्रतिभा के अनुकूल भी पाते है।

वर्ग उन्नति – प्रतिभाशाली बालकों को शिक्षा देने की एक विधि यह भी है कि कक्षा में ऐसे बालकों को शीघ्र ही अतिरिक्त उन्नति देकर अगले वर्ग में भेज देना चाहिए उच्च वर्ग का पाठ्यक्रम कठिन होने से उसे वे अपनी क्षमता एवं कुशलता के अनुसार योग्य पायेंगे और तब वे कक्षा में ठीक ढंग से समायोजन करें

विशेष सह कार्य –

प्रतिभाशाली बालकों को उनकी योग्यता एवं क्षमता के अनुसार विशेष सह कार्य देना चाहिए जिससे उनमें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिले

M	T	W	T	F	S	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

JAN - 2019

पुस्तकालय सुविधाएं -

प्रतिभाशाली बालकों को नये ज्ञान की आवश्यकता सदा रहती है। इन्हे कक्षा की पुस्तकों के अतिरिक्त और भी उच्च स्तर की पुस्तके पढने मे मजा आता है अतः इनकी रुचि को पुरा करने के लिए पुस्तकालय सुविधाएं अति आवश्यक है।

उत्तर दायित्व का कार्य -

ऐसे बालकों को विद्यालय एवं कक्षाओं में उत्तरदायित्व पूर्ण व चुनौती भरे कार्य सौंपने से उनमे नेतृत्व इच्छा की पूर्ति होती है और उनमें कुशल नेतृत्व का विकास होता है।

विशेष अध्यापक -

प्रतिभाशाली बालको के लिए विशेष योग्यता वाले अध्यापकों की नियुक्ति होनी चाहिए, जो स्वयं तिव्र बुद्धि एवं शैक्षिक योग्यता वाले हो, जिससे बालकों को सही दिशा प्रदान कर सके।

- विशिष्ट बालक किसे कहते है? विशिष्ट बालक की परीभाषा एवं प्रकार का वर्णन करे।
विशिष्ट बालक की प्रकृति, विशेषता को लिखिए
विशिष्ट बालक की पहचान कैसे की जाती है -